

जीवन चलने का नाम, चलते रहो सुबहो शाम



डॉ. विजय सुवचानी
लेखक, मोटिवेशनल स्पिकर

दोस्तों नमस्कार मुन्वर राणा के एक शेर के साथ शुरुआत करना चाहता हूँ, अपने आप को शाबाह करना चाहता हूँ।

पिछले हफ्ते की बात को आगे बढ़ाते हुए आइये कुछ और मोटिवेशनल गानों की तरफ चलो हैं। आज शुरुआत करते हैं एक ऐसे गाने से जो गीतकार आनंद बक्षी साहब की कलम से निकला सर्वश्रेष्ठ गीत कहा जाता है, और जिसकी गिनती हिंदी फिल्मों के सर्वश्रेष्ठ गीतों में की जाती है। यह फिल्म आपकी कसम का किशोरदा का गाया और आर.डी बर्मन द्वारा संगीतबद्ध छह मिनट का ये अमर गीत हमें जिन्दगी का बहुत कीमती सन्देश देता है कि गाना हुआ वक्त कभी भी लौटकर नहीं आता इसलिए कोई भी फैसला लेने से पहले कई कई बार विचार करना चाहिए अन्यथा पछतावे के विषय कुछ बाकी नहीं रह जाता। गीत है- जिन्दगी के सफर में गुजर जाते हैं जो भ्रमण वो फिर नहीं आते, आंख धोखा है क्या भरोसा है दोस्तों शक दोस्ती का दुश्मन है दिल में अपने इसे घर बनाने न दो याद में छल तड़पना पड़े जिनकी रोक लो रुक उनको जाने न दो बाद में चाहे भेजो हजारों हजारों सलाम वो फिर नहीं आते गीत का एक और अंतरा देखिये, सुबह आती है रात जाती है वक्त चलता ही रहता है रुकता नहीं

एक पल में ये आगे निकल जाता है आदमी ठीक से देख पाता नहीं और परदे से मंजर बदल जाता है एक बार चलते जाते हैं जो दिन रात सुबहो शाम वो फिर नहीं आते

आज का दूसरा बेहद प्रेरणा दायी गीत है, फिल्म शोर का महेंद्र कपूर, मन्ना डे, श्यामा चित्तर द्वारा गाया ये गीत,

जीवन चलने का नाम चलते रहो सुबहो शाम कि रस्ता कट जायेगा मितरा कि बादल छट जायेगा मितरा कि दुख से झुकना ना मितरा कि इक पल रुकना ना मितरा

हिम्मत अपना दीन धर्म है हिम्मत है ईमान हिम्मत अल्लाह हिम्मत वाहेगुरु हिम्मत है भगवान ये कालजयी गीत जिसकी एक एक लाइन मोटिवेशन से भरपूर है, आज भी अत्यंत लोकप्रिय है और हमें हर हाल में चलते रहने की हिम्मत देता है।

एक और बेहद खूबसूरत गीत है फिल्म हम दोनों का साहिर लुधियानवी साहब का लिखा गीत 'मैं जिन्दगी का साथ निभाता चला गया, हर फिक्र को धुएँ में उड़ाता चला गया'। हलके फुलके से लगने वाले इस गीत में जीवन का बड़ा ही गहरा दर्शन छुपा है, खासकर इस गाने का एक अंतरा बहुत खास बन पड़ा है, बर्बादियों का सोग (शोक) मनाना फजूल था, बर्बादियों का जश्न मनाता चला गया, इसी प्रकार फिल्म हमराज का साहिर साहब के द्वारा ही लिखा यादगार गीत ना मुंह



छुपा के जियो और ना सर झुका के जियो, गमों का दौर भी आये तो मुस्कराके जियो एक बेहद प्रेरक गीत है। अंतरा देखिये

ना जाने कौन सा पल मौत की अमानत हो हर एक पल की खुशी को गले लगा के जियो ये दोनों गीत हमें सुख और दुख की परवाह किये बिना हर हाल में जिन्दगी के हर एक पल को पूरी शिद्दत से जीना सिखाते हैं। इसी मिजाज का अमिताभ बच्चन पर फिल्ममाया गया जमीर फिल्म का गाना देखिये, जिसे साहिर साहब ने ही लिखा था-

जिन्दगी हँसने गाने के लिए है पल दो पल इसे खोना नहीं खो के रोना नहीं

इस गीत की यथार्थ को बयां करती दो जबर्दस्त पंक्तियाँ जो नाकामयाबी के दौर में भी हिम्मत न खोने का पैगाम देती हैं, तेरे गिरने में भी तेरी हार नहीं कि तू आदमी है अवतार नहीं

अमिताभ बच्चन की ही फिल्म गंगा की सौगंध का अनजान द्वारा सरल भाषा में रचित ये गीत बड़ा ही प्रेरणादायी गीत है जो इंसान को

संघर्ष के दिनों में बड़ा हौसला देता है, चल मुसाफिर तेरी मंजिल दूर है तो क्या हुआ आज पाँव तेरा थक कर चूर है तो क्या हुआ इस गीत की कुछ और प्रेरक पंक्तिया देखिये,

जिंदगी से जो न हारे, वो संवारे जिन्दगी ठोकरें खाकर ही बना आदमी है आदमी आजमाइश का यही दस्तूर है तो क्या हुआ फिल्म तपस्या का एम.जी हशमत का लिखा और किशोर कुमार की दिव्य आवाज से सजा, जो राह चुनी तूने उसी राह पे राही चलते जाना रे, हो कितनी भी लम्बी रात दिया बन जलते जाना रे एक बेहद प्रेरक गीत है। गीत की कुछ प्रेरक पंक्तिया हैं,

जीवन के सफर में ऐसे भी मोड़ हैं आते जहाँ चल देते हैं अपने भी तोड़ के नाते कहीं धीरज छूट न जाये, तू देख संभलते जाना रे उसी राह पे राही चलते जाना रे

यह गीत दृढ़ संकल्प और सकारात्मकता पर जोर देता है और बाधाओं के बावजूद अपने चुने हुए रास्ते पर आगे बढ़ते रहने का

पैगाम देता है। पिछले सप्ताह हमने दोस्त फिल्म के गाड़ी बुला रही है गीत की चर्चा की थी, इसी फिल्म का एक और बेहद मोटिवेशनल गीत है।

आ बता दें तुझे हम कैसे जीया जाता है दिल पर सह के सितम का तीरी भी पहन के पाँव में जंजीरी भी, रवस (नृत्य) किया जाता है

आ बता दें तुझे हम कैसे जीया जाता है फ़िल्म अनाड़ी के लाखों लोगों को प्रेरित करने वाले शैलेन्द्र रचित इस कालजयी गीत की चर्चा के बिना मोटिवेशनल गानों की बात अधूरी ही कही जायेगी,

किसी की मुस्कुराटों पे हो निसार किसी का दर्द मिल सके तो ले उधार जीना इसी का नाम है

और अंत में बात करते हैं इंदौरवा साहब के लिखे फिल्म आखिर क्यों के एक कम चर्चित मगर उत्कृष्ट गीत की जो मन की सारी नकारात्मकता को पल में दूर करता है,

एक अपेरा लाख सितारे एक निराशा लाख सहरें सबसे बड़ी सौगात है जीवन, नादों में जो जीवन से हारे दुख से अगर पहचान न हो तो, कैसा सुख कैसी खुशियाँ तूफानों से लड़ कर ही तो लगते हैं साहिल इतने प्यारे

मेरी राय में ये मोहम्मद अजीज का गाया सर्वश्रेष्ठ गीत है। इनके अलावा कुछ अन्य प्रसिद्ध प्रेरणादायक गीत हैं, फिल्म अपना देश का गीत रोना कभी नहीं रोना चाहे टूट जाये कोई खिलौना, कुछ तो लोग कहेंगे (अमर प्रेम), जीवन में कभी डरना नहीं (खोटा सिक्का), आने वाला पल जानेवाला है (गोलमाल),

साथी हाथ बढ़ाना (नया दौर), कहाँ तक ये मन को अँधेरे छलेंगे (बातों बातों में), फकीरा चल चला चल (फकीरा), राही मनवा दुख की चिंता क्यूँ सताती है (दोस्ती), रोते रोते हंसना सीखो (अंधा कानून), ऊँचे नीचे रास्ते और मंजिल तेरी दूर (खुदावर), जिन्दगी की यही रीत है (मिस्टर इंडिया), रोते हुए आते हैं सब हँसता हुआ जो जाएगा (मुकद्दर का सिकंदर), हर घड़ी बदल रही है रूप जिन्दगी (कल हो ना हो) आदि..

नयी फिल्मों की बात करें तो चक दे इंडिया (चक दे इंडिया), कर हर मेदान फतह (संजू), भाग मिल्खा भाग (भाग मिल्खा भाग) दंगल (दंगल), लक्ष्य तो हर हाल में पाना है (लक्ष्य) आदि गाने इस श्रेणी में रखे जा सकते हैं। आज के वक्त में जब लगातार चारों तरफ युद्ध और तबाही की, दुश्मनाओं की, राजनैतिक संघर्ष व कुटुंबों की खबरें हमें क्षुब्ध कर रही हैं और हर तरफ निराशा का माहौल है ऐसे में इस तरह के गीत अंधकार में उजाले की किरन की तरह सुकून देते हैं।

मुझे यकीन है कि उपरोक्त गीतों को सुनकर आप जरूर मोटिवेटेड हुए होंगे, आज के लिए इतना ही, अगले हफ्ते फिर मुलाकात होगी एक नये विषय पर बात होगी, तब तक ऊपर वर्णित गानों को सुनते रहिये और जिन्दगी में हमेशा चलते रहिये, आगे बढ़ते रहिये और अब नवाज देववंदी के इस शेर के साथ मुझे इजाजत दीजिये दो चार कदम चलने को चलना नहीं कहते जो मंजिल तक न पहुँचे उसे रास्ता नहीं कहते.

रिहाना के घर आई नन्ही परी तीसरी बार बनीं मां

अं तरराष्ट्रीय पॉप सिंगर और ग्रैमी अवॉर्ड विजेता रिहाना तीसरी बार मां बन गई हैं। उन्होंने और उनके पार्टनर, रैपर एएफ रॉकी ने एक बेटी का स्वागत किया है। इस गुड न्यूज को रिहाना ने खुद इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के जरिए अपने फैंस के साथ साझा किया। इंस्टाग्राम पर दी खुशखबरी- रिहाना ने बताया कि उनकी बेटी का जन्म 13 सितंबर को हुआ, और उसका नाम रॉकी आयरिश मेयर्स रखा गया है। यह नाम उनके पार्टनर एएफ रॉकी के असली नाम रकीम मेयर्स से प्रेरित है। रिहाना ने जो तस्वीर पोस्ट की, उसमें वह अपनी बेटी को गोद में लिए हुए हैं, जबकि दूसरी तस्वीर में पिंक बॉक्सिंग ग्लव्स नजर आ रहे हैं। इस पोस्ट को कुछ ही घंटों में लाखों लाइक्स मिल गए, जिससे पता चलता है कि उनके चाहने वालों की संख्या कितनी बड़ी है।



मं गलवार को 71वें राष्ट्रीय पुरस्कार समारोह में अभिनेता-राजनेता कंगना रनौत ने साउथ के सुपरस्टार मोहनलाल को दादासाहेब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किए जाने पर अपनी खुशी जाहिर की। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने यह पुरस्कार उन्हें नई दिल्ली में प्रदान किया।

कंगना रनौत ने %दृश्य% अभिनेता की सिनेमा जगत में प्रतिष्ठित विरासत की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, मोहनलाल जी इतने प्रसिद्ध अभिनेता हैं। वह एक सुपरस्टार हैं। राष्ट्रीय स्तर पर मोहनलाल को यह पुरस्कार मिलना, उनके काम का ऐसा प्रोत्साहन और पहचान, किसी भी कलाकार को बहुत अच्छा लगेगा। हमें भी अपने वरिष्ठों को सम्मानित होते देखकर अच्छा लगता है।

मलयालम सिनेमा को किरा समर्पित
चार दशकों से अधिक समय तक सिनेमा में काम करने के बाद, दादासाहेब फाल्के चयन समिति ने भारतीय सिनेमा में उनके योगदान के लिए मोहनलाल को इस पुरस्कार के लिए चुना। पुरस्कार लेने के बाद मोहनलाल ने पूरे मलयालम सिनेमा जगत को धन्यवाद दिया और यह पुरस्कार

पू व नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो अधिकारी समीर वानखेड़े ने आर्यन खान द्वारा निर्देशित नेटफ्लिक्स सीरीज द बाईस ऑफ बॉलीवुड के खिलाफ दिल्ली उच्च न्यायालय में 22 करोड़ का मानहानि का मुकदमा दायर किया है। वानखेड़े ने आरोप लगाया है कि इस सीरीज में उनका अपमानजनक और दुर्भावनापूर्ण चित्रण किया गया है, जिससे उनकी पेशेवर प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा है। यह सात-एपिसोड वाली सीरीज, जो 18 सितंबर को रिलीज हुई थी, ने अपनी रिलीज के बाद से ही विवादों को जन्म दे दिया था। वानखेड़े ने अपनी याचिका में दावा किया है कि सीरीज को जानबूझकर उनकी छवि खराब करने के इरादे से बनाया गया है, खासकर जब आर्यन खान से जुड़े मामले की सुनवाई अभी भी चल रही है।

सीरीज के पहले एपिसोड में, एक जोशीला अधिकारी, जो ड्रग्स के खिलाफ युद्ध की बात करता है, बॉलीवुड की एक पार्टी में चुसता है। दर्शकों ने तुरंत इस किरदार के पहनावे (सफेद शर्ट और काली पैंट), हेयरस्टाइल और शारीरिक बनावट को समीर वानखेड़े से जोड़ दिया। याचिका में एक दृश्य का भी उल्लेख है, जहाँ अधिकारी एक व्यक्ति को सिगरेट पीते देखकर छोड़ देता है क्योंकि वह फिल्म उद्योग से नहीं है, लेकिन दूसरे व्यक्ति को सिर्फ इसलिए गिरफ्तार कर लेता है क्योंकि वह इंडस्ट्री से है और केवल शराब पी रहा है। सोशल मीडिया पर इसे 2021 के आर्यन खान ड्रग मामले पर तंज माना जा रहा है।

वानखेड़े ने अपनी याचिका में इस चित्रण को झूठ, दुर्भावनापूर्ण और अपमानजनक बताया है, जो एंटी-ड्रग एजेंसियों की छवि को धूमिल करता है और जनता का विश्वास कमजोर करता है। उन्होंने 22 करोड़ का मुआवजा मांगा है और इसे टाटा मेमोरियल कैंसर हॉस्पिटल को दान करने का प्रस्ताव भी रखा है। इसके अलावा, याचिका में एक और दृश्य का जिक्र है जहाँ किरदार सत्यमेव जयते कहने के तुरंत बाद अश्लील इशारा करता है।

उन्हें समर्पित किया, जिसे उन्होंने फिल्म उद्योग की विरासत, रचनात्मकता और लचीलेपन के लिए एक सामूहिक श्रद्धांजलि बताया।

मोहनलाल ने कहा, यह पल सिर्फ मेरा नहीं है; यह पूरे

वरिष्ठ कलाकारों को सम्मानित होते देखना प्रेरणादायक : कंगना रनौत

समीर ने आर्यन खान की वेब सीरीज पर ठोका 2 करोड़ का मानहानि का मुकदमा



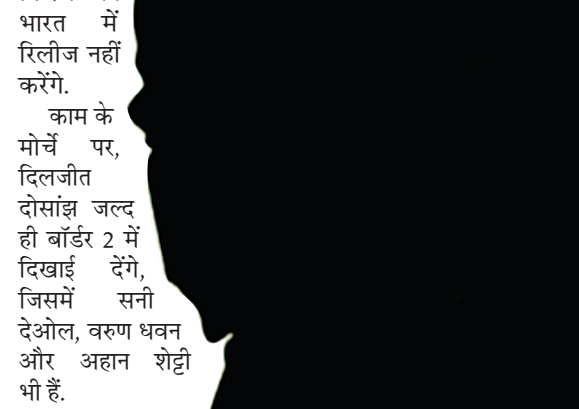
कभी देश के खिलाफ नहीं जाऊंगा :दिलजीत

हा ल ही में भारत-पाकिस्तान मैच के बाद अपनी फिल्म सरदार जी 3 को लेकर हुए विवाद पर अभिनेता-गायक दिलजीत दोसांझ ने आखिरकार अपनी चुप्पी तोड़ दी है। एक संगीत कार्यक्रम के दौरान दिलजीत ने भीड़ को संबोधित करते हुए कहा कि उनकी फिल्म की शूटिंग पहलगायत आतंकी हमले से पहले हुई थी, जबकि मैच बाद में खेला गया था। उन्होंने दर्शकों से संक्षिप्त भाषण की अनुमति ली, जिसके कई वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आए हैं।

दिलजीत ने कहा, जब मेरी फिल्म सरदार जी 3 फरवरी में बनी थी, तब मैच खेले जा रहे थे। लेकिन फिर दुखद पहलगायत आतंकी हमला हुआ। तब से, हम हमेशा प्रार्थना करते रहे हैं कि आतंकवादियों को सख्त से सख्त सजा मिले। एक अंत है क्योंकि मेरी फिल्म हमले से पहले शूट हुई थी, और मैच बाद में खेला गया था। दिलजीत ने जोर देकर कहा कि वह कभी भी देश के खिलाफ नहीं जाएंगे, जिस पर दर्शकों ने जोरदार तालियों और जयकारों के साथ प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, मेरे पास कहने के लिए बहुत कुछ है, लेकिन मैंने चुप रहना और इसे अपने अंदर ही रखना चुना। मैं ऐसा नहीं करना चाहता।

दिलजीत दोसांझ की सरदार जी 3 को लेकर विवाद पाकिस्तान की अभिनेत्री हानिया आमीर की कास्टिंग के कारण शुरू हुआ था। यह फिल्म, जो 27 जून को विदेशों में रिलीज हुई थी, पहलगायत आतंकी हमले के बाद भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच भारी विरोध का सामना कर रही थी। फिल्म बिरादरी, सद्गुण और सोशल मीडिया से बड़े पैमाने पर आलोचना के बाद, सरदार जी 3 के निर्माताओं ने घोषणा की है कि वे अपनी फिल्म को भारत में रिलीज नहीं करेंगे।

काम के मोर्चे पर, दिलजीत दोसांझ जल्द ही बॉर्डर 2 में दिखाई देंगे, जिसमें सनी देओल, वरुण धवन और अहान शेटी भी हैं।



धर्मद्र हेमा मालिनी के सम्मान में बन जाते हैं शाकाहारी : ईशा



बॉ लीवुड अभिनेत्री ईशा देओल ने हाल ही में अपने परिवार की खान-पान की आदतों के बारे में खुलासा किया है। एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया कि उनकी बेटियां दक्षिण भारतीय व्यंजनों की शौकीन हैं और उनके पिता धर्मद्र, अपनी पत्नी हेमा मालिनी के सम्मान में शाकाहारी बन जाते हैं।

ईशा ने खुलासा किया कि धर्मद्र, हेमा मालिनी की पसंद का बहुत सम्मान करते हैं। जब भी वे हेमा मालिनी के साथ होते हैं, वे मांसाहारी भोजन नहीं करते हैं। ईशा ने बताया, जब हम कहीं यात्रा करते हैं, तो हम उन्हें कोई नॉन-वेज डिश खाते हुए देखते हैं। और जब वे ऐसा करते हैं, तो वह दूसरे कमरे में जाकर खाते हैं, क्योंकि मां को उसकी गंध पसंद नहीं है। ईशा ने कहा कि उन्होंने अपनी मां और पिता को शूटिंग के दौरान भी देखा है और इन प्यों पलों को महसूस किया है।

दूसरा मौका हमेशा जीवन में बदलाव लाता है : अनुपम

अ भिनेता-निर्देशक अनुपम खेर की फिल्म 'तन्वी द ग्रेट' 26 सितंबर को एक बार फिर सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। साहस, ऑटोम और भारतीय सशस्त्र बलों की थीम पर आधारित इस फिल्म में शुभांगी दत्त मुख्य भूमिका में हैं, जबकि बोमन ईरानी, जैकी श्राफ, करण टैकर और अरविंद स्वामी जैसे कलाकार भी अहम किरदारों में नजर आएंगे।

शुभांगी दत्त ने फिल्म के दोबारा रिलीज होने पर उत्साह जताते हुए कहा, दो महीने के भीतर दूसरी बार रिलीज का मौका मिलना बेहद खास है। ऐसा लगता है जैसे हम शूटिंग और प्रमोशन के उन दिनों को फिर से जी रहे हैं। उन्होंने हॉलीवुड अभिनेता रॉबर्ट डी नीरो की तारीफ की भी याद किया, जिन्होंने उनके

अभिनय को 'उत्कृष्ट' बताया था। अनुपम खेर ने फिल्म को दोबारा सिनेमाघरों में लाने के पीछे अपने जीवन के अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा, मैं इसे दोबारा रिलीज नहीं कह रहा हूँ, मेरे जीवन में जब भी दूसरा मौका मिला, चीजें बेहतर हुईं।

खेर ने अपनी पहली फिल्म 'सारांश' का जिक्र करते हुए बताया कि जब उन्हें उससे हटाया की कोशिश की गई थी, तब उन्होंने संघर्ष कर दूसरा मौका हासिल किया था। उन्होंने कहा, 'तन्वी द ग्रेट' की पहली रिलीज के बाद, जब बॉक्स ऑफिस पर इसका प्रदर्शन अपेक्षानुसार नहीं रहा, तब हमने 10,000 से अधिक स्कूलों में इसकी स्क्रीनिंग की। दुबई और देश के कई शहरों में भी इसे दिखाया गया। दर्शकों से मिला प्यार अद्भुत था, इसलिए मैंने इसे दोबारा सिनेमाघरों में लाने का फैसला किया। यह फिल्म जल्द ही ओटीटी पर भी आएगी, लेकिन तब तक कोशिश करने में क्या हर्ज है?

फिल्म एक युवा लड़की तन्वी (शुभांगी दत्त) की प्रेरणादायक कहानी है, जो अपनी मां और दादा (अनुपम खेर) के साथ रहती है।

धर्मद्र हेमा मालिनी के सम्मान में बन जाते हैं शाकाहारी : ईशा

बॉ लीवुड अभिनेत्री ईशा देओल ने हाल ही में अपने परिवार की खान-पान की आदतों के बारे में खुलासा किया है। एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया कि उनकी बेटियां दक्षिण भारतीय व्यंजनों की शौकीन हैं और उनके पिता धर्मद्र, अपनी पत्नी हेमा मालिनी के सम्मान में शाकाहारी बन जाते हैं।

ईशा ने खुलासा किया कि धर्मद्र, हेमा मालिनी की पसंद का बहुत सम्मान करते हैं। जब भी वे हेमा मालिनी के साथ होते हैं, वे मांसाहारी भोजन नहीं करते हैं। ईशा ने बताया, जब हम कहीं यात्रा करते हैं, तो हम उन्हें कोई नॉन-वेज डिश खाते हुए देखते हैं। और जब वे ऐसा करते हैं, तो वह दूसरे कमरे में जाकर खाते हैं, क्योंकि मां को उसकी गंध पसंद नहीं है। ईशा ने कहा कि उन्होंने अपनी मां और पिता को शूटिंग के दौरान भी देखा है और इन प्यों पलों को महसूस किया है।

ईशा ने अपनी बेटियों को खाने की आदतों के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा, मैं दक्षिण भारतीय खाना खाकर बड़ी हुई हूँ। मेरा मुख्य भोजन इडली, सांभर और डोसा है। अब मेरी बेटियों को भी यह पसंद है। वे हफ्ते में कम से कम तीन बार हमारे कुक से इडली, सांभर और चटनी बनाने के लिए कहती हैं।